बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २००८)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५) **सत्संग प्रवेश - २** **कुल गुण : ७५**

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम संस्करण, जून १९९७

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''अपने द्वादशाह के दिन मैं तुमको लेने आऊँगा ।'' १८

२. ''उनसे ऐसा काम तुम करवाती हो ?'' ५७

३. ''महाराज की इच्छा के बगैर मैं कुछ भी नहीं कर सकता ।'' ६३

प्रश्न.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. जालमसिंह बापू के दरबार में शरीर छोडनेवाले अक्षरधाम में जाते हैं । ६९

२. लड़का धाम में जाते ही देवजीभाई प्रसन्न हो गए । २६

३. श्रीजीमहाराज के हाथ में फफोले उठ गये । ३४

प्रश्न.३. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. शिक्षापत्री - सामान्य नियम । १

२. सगराम । १३

३. माताजी । ५४

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५ गुण)**

१. महाराज की सेवा में जीव को कौन लगा सकता है ? २७

२. आत्मानंद स्वामी महाराज के अक्षरधाम गमन के बाद कहाँ रहते थे ? ३०

३. समुद्रदेव ने किस का रुप धारण करके चारों भाईओ की परीक्षा ली ? २३

४. वचनामृत किसकी वाणी है ? ५९

५. राणा के कौन से दो भाई साधु बनने के लिए तैयार हो गए ? ५९

प्रश्न.५. एक व्यक्ति ने लाख रुपये की..... (६९) - **'स्वामी की बात' पूर्ण करके विवरण लिखिए । अथवा** **(५ गुण)**
वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ६ (६०) **का विवरण लिखिए ।**

प्रश्न.६. निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८ गुण)**

१. ''अन्तर कपट मेटके ..... कारज सीजे ।'' १९

२. ''वन्दन करीए ..... बहुनामी हरि ।'' ३५

३. ''अनन्तकोटि ..... नमामि ।'' २०

४. ''गंगा ..... महाशयाः॥'' श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए । ६५

विभाग-२ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम संस्करण जून १९९७

प्रश्न.७. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''यदि आप ही हमे अलग करते है तो आप हमारी सतत सहायता कीजिएगा और हमेशा ही आप हमारे साथ रहिएगा ।'' ५६

२. ''विज्ञानानन्द स्वामी का मण्डल चलानेवाले के पास पादुकाएँ होंगी ।'' २५

३. ''मुझ में शक्ति, कला, विद्या, ज्ञान, कुशलता आदि जो कुछ भी हैं वह आप ही का दिया हुआ है ।'' ९७

प्रश्न.८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. भीमजीभाई कोठारी को स्वामीजी और भगतजी की मण्डली के प्रति द्वेष बढ़ गया । ३९

२. डुंगर भक्त ने राईजीभाई के घर रहकर बड़ा (अंग्रेज) अफसर बनने के लिए मना किया । १०-११

३. अरजणभाई को दर्शन देकर गुणातीतानंद स्वामी अदृश्य हो गये । ६२

प्रश्न.९. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. अजोड़ विद्धत्ता । (३०) २. विरोध की आँधी । (५१) ३. गृहत्याग । (१७)

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १५ जून, २००८; परीक्षा - सत्संग प्रवेश - २; माध्यम - हिन्दी; समय - दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

४०२

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केन्द्र नंबर : | | | |

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केन्द्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहनेवाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

प्रश्न.१०. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (५ गुण)

१. गोंडल मन्दिर में प्रतिष्ठा कब हुई ? ८४

२. शास्त्रीजी महाराज के पितामह कौन थे ? २

३. अक्षरपुरुषोत्तम की मूर्तियों की प्रतिष्ठा सबसे प्रथम कौन से मन्दिर में हुई ? ४७

४. मोतीभाई ने सारंगपुर मन्दिर पर कौन सा भजन बनाया ? ६८

५. तुलाविधि के समय स्वामीश्री ने क्या कहा ? ९२

प्रश्न.११. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (६ गुण)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. शास्त्रीजी महाराज ने किस किस के पास पढ़ाई की ? ३०,३३

(१) ☐ रंगाचार्य (२) ☐ जीवणराम शास्त्री (३) ☐ महिधर शास्त्री (४) ☐ शंकराचार्य माधवतीर्थ

२. प्रागजी भक्त से प्रभावित यज्ञपुरुषदासजी । २१

(१) ☐ सारे काम एक साथ कैसे करते हैं ?

(२) ☐ वरताल में घनश्याम महाराज की मूर्ति प्रतिष्ठा का उत्सव ।

(३) ☐ ज्ञानियों की असंख्य आँखें होती हैं ।

(४) ☐ धर्मपारायण की तीन आँखें होती हैं ।

३. सारंगपुर मन्दिर की मूर्तिप्रतिष्ठा में स्वामीश्री का प्रभाव । ७४

(१) ☐ स्वामी कृपा करके आप बैठिये ।

(२) ☐ आसपास के गाँवों की गौशालाओं में भी हलवा भेजा ।

(३) ☐ आठ दिनों तक सारे गाँव ने हलवा खाया ।

(४) ☐ कम नहीं पड़ेगा, इसलिए आप लोग किसी प्रकार की चिन्ता न करें ।

प्रश्न.१२. निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (६ गुण)

१. बालमुकुन्ददासजी ने महाराज और स्वामी की चाँदी की मूर्तियाँ प्रतिष्ठित करने को कहा । ४१

२. वे पैंतालीस मिनट रुकें तो समझना कि वह स्वामीश्री के प्रभाव का परिणाम है । ७६

३. वृद्ध पुराणी वैकुंठदास के हठ, मान और इर्षा आदि दुर्भाव यज्ञपुरुषदास ने दूर कर दिये । ३०

४. भागवत का कथारस श्रीधर जानते हैं और शुकदेवजी सम्पूर्ण जानते हैं । ९०

५. स्वामीश्री ने २८ साल के नारायणस्वरूपदासजी की प्रमुखपद के लिए नियुक्ति की । ९६-९७

६. भविष्य में आपके शिष्य आपकी सुवर्णमयी मूर्ति की प्रतिष्ठा करेंगे । ७२

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १३ जुलाई, २००८ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे ।

❋ ❋ ❋